7

# दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 झूमी गोरक्षनगरी 5 बैंक मैनेजर ने सरयू नदी में कूदकर दी जान 8 2026 में भारतीय मेंस टीम का शेड्यूल

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 28 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 05 जनवरी,2026

# तंबुओं की नगरी फिर गुलजार

**आस्था का वास...**

## कल्पवासियों का डेरा

### संगम की रेती पर कल्पवास करने का अक्षय पुण्य

**प्रयागराज,संवाददाता।** यूपी के प्रयागराज में एक बार फि से तंबुओं की नगरी गुलजार हो गई है। आज से शुरू कल्पवास एक फरवरी को माघी पूर्णिमा पर पूर्ण होगा। प्रयागराज में कल्पवास करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। प्रयागराज में संगम की रेती पर शनिवार को पौष पूर्णिमा के पहले स्नान पर्व के साथ ही माघ मेला ही नहीं कल्पवास भी शुरू हो गया। ऐसी मान्यता है कि माघ मास में सभी देवी–देवता प्रयागराज में ही वास करते हैं, इसलिए यहां पौष पूर्णिमा से कल्पवास की शुरुआत होती है। प्रयागराज में कल्पवास करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। संगम की रेती पर बने तंबुओं में गृहस्थ और साधु–संत कल्पवास करते हैं। कल्पवास में लोगों की दिनचर्या नियमित और संयमित होती है। अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के संरक्षक स्वामी महेशाश्रम महाराज के मुताबिक पौष पूर्णिमा पर जो श्रद्धालु कल्पवास के लिए आते हैं, उन्हें सबसे पहले संगम तट पहुंचने पर गणेश पूजन करना चाहिए।

माघ मेला क्षेत्र स्थित खाक चौक में स्नान ध्यान के बाद धुनी के सामने बैठे साधु इसके बाद गंगा पूजन और रेत से पिंडी बनाकर सभी देवी–देवताओं का पूजन करना चाहिए। इसके बाद श्रद्धालु अपने शिविर में पहुंचते हैं। जहां शिविर के बाहर तुलसी और कदली का पौधा रोपने का विधान है।

## पौष पूर्णिमा स्नान पर्व को लेकर मेला क्षेत्र में जाते कल्पवासी

स्वामी बताते है कि प्रयाग, माघ और कल्पवास तीनों एक–दूसरे के पूरक हैं। इसका पौराणिक और शास्त्र वर्णित है कि श्रद्धालु पौष पूर्णिमा पर गंगा स्नान कर कल्पवास का संकल्प लेकर एक माह का कठिन तप और व्रत की शुरुआत करते हैं। इस दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं। तीन पहर गंगा स्नान और भूमि पर शयन करते हैं। एक पहर गुरु को भोजन कराने के बाद भोजन ग्रहण करते हैं। अपनी कुटिया में देवी–देवताओं की पूजा अर्चना के साथ ही रामायण और गीता का पाठ करते हैं। संत महात्माओं की कथाओं और प्रवचन का श्रवण करते हैं।

## मेला क्षेत्र में कल्पवास के लिए वाहनों पर सवार होकर श्रद्धालु पहुंचे

इस तरह से माघी पूर्णिमा तक कल्पवास का संकल्प चलता रहता है। कल्पवास पूरा होने पर श्रद्धालु भगवान सत्यनारायण की कथा का श्रवण कर आध्यात्मिक ऊर्जा बटोर कर अपने घर को लौटते हैं। वहीं, माघी पूर्णिमा के बाद भी कई साधु–संत और कल्पवासी मेले में बने रहते हैं। बताते है कि वे त्रिजटा स्नान के बाद अपने आश्रम व घरों के लिए वापसी करते हैं।

# भाजपा विधायक का निधन

### हंसी–ठिठोली के बाद अपनों को रुला गए प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल

दिवंगत विधायक प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल के शोकाकुल परिजन

**बरेली,संवाददाता।** बरेली में फरीदपुर विधायक प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल के निधन से हर कोई हतप्रभ है। शुक्रवार को सर्किट हाउस में बैठक के दौरान उनको हार्ट अटैक आया। अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। विधायक के साथ बिताए गए आखिरी पलों को याद कर जिले के जनप्रतिनिधि भावुक हो गए। बरेली के फरीदपुर से भाजपा विधायक प्रोफेसर डॉ. श्याम बिहारी लाल 3:27 घंटे में हंसते–मुस्कुराते दिवंगत हो गए। नीली जैकेट और गुलाबी कुर्ता पहने विधायक ठीक शुक्रवार को 12:38 बजे बैठक में शामिल होने के लिए सर्किट हाउस पहुंचे थे। सभागार के बाहर लोगों का अभिवादन स्वीकारा और अंदर भी उनका पुराना अंदाज दिखा। उन्होंने बैठक में सहपाठी मीरगंज विधायक डीसी वर्मा से हंसी–ठिठोली कर ली। फिर अचानक कुछ ऐसा घटा, जिसकी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। वह बेहद कम समय में दिवंगत हो गए। इससे भाजपा खेमे सहित आमजन मानस और छात्र–छात्राओं तक में शोक की लहर दौड़ गई।

# गली–गली पहुंच रहे तेंदुए...नसबंदी की है तैयारी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तेंदुओं के बढ़ते हमलों ने वन विभाग की चिंता बढ़ा दी है। बिजनौर में तेंदुओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हालात पर काबू पाने के लिए 75 प्रतिशत तेंदुओं की नसबंदी की वैज्ञानिक कार्ययोजना तैयार की गई है, जिससे मानव और पशुधन क्षति में बड़ी कमी आने की उम्मीद है। बहराइच, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी और बिजनौर समेत प्रदेश के कई इलाकों में इंसानों व मवेशियों पर तेंदुओं के हमले बढ़ते जा रहे हैं। अकेले बिजनौर में वर्ष 2025 में सितंबर तक तेंदुओं ने 30 लोगों पर हमले किए। इनमें नौ की मौत हो गई।

दूषित जल कांड में एक्शन, इंदौर निगम कमिश्नर को नोटिस, अपर आयुक्त बर्खास्त

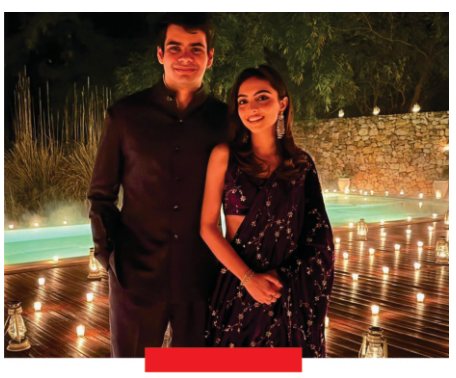

प्रियंका के बेटे रेहान ने गर्लफ्रेंड अवीवा बेग से की सगाई, शेयर की तस्वीर!

## सम्पादकीय

# आशा के नए सुर

आर्थिक संकटों, प्राकृतिक विपदाओं और केंद्र से असहज सुलूक के बावजूद अगर हिमाचल सरकार आशाओं का दीपक जला रही है, तो यह आलोचना से परे दायित्व की समीक्षा है। आशा के नए सुर और सिरे तलाशती सुक्खू सरकार अब अगले दो सालों को 'एक्शन' की तपती जमीन बनाने की मंशा दिखा रही है। आसान नहीं था प्रदेश के सरकारी स्कूलों से छान कर सौ सीबीएसई स्कूलों की मिट्टी तैयार करना और अब मंत्रिमंडल की बैठक बता रही है कि शिक्षा की कक्षा में गुणवत्ता का नया इम्तिहान उतर रहा है। इन स्कूलों के प्रांगण में सौ करोड़ के दीप जलेंगे ताकि सीबीएसई के मानदंड अपनाते हुए, गौरवशाली प्रकाश का उदय हो। हर स्कूल में एक–एक स्पेशल एजुकेटर, मल्टी टास्क वर्कर, चौकीदार, योग टीचर, गणित व अंग्रेजी के अध्यापकों की एक नई श्रृंखला खड़ी की जा रही है। इसे हम महज नौकरी में अवसर की संज्ञा नहीं दे सकते, बल्कि शिक्षा को ताकत में एक नया अवसर मान सकते हैं। कुछ इसी तर्ज पर मेडिकल कालेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 53 पद तथा अन्य कैटेगिरी व नर्सिंग के पदों का सृजन देख सकते हैं, लेकिन शिक्षा की तरह नया उत्थान अभी देखना बाकी है। जिस तरह सीबीएसई पाठ्यक्रम के माध्यम से 100 स्कूल अब राज्य के प्रतिष्ठित स्कूलों के क्लब में शामिल हो रहे हैं, ठीक इसी तरह हिमाचल अगर अपने क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों को किसी न किसी रोग विशेष का राज्य स्तरीय अस्पताल घोषित करके दक्षता व समर्पण की मिसाल पेश कर सकता है। ऐसे राज्य स्तरीय अस्पतालों में एक अलग विंग श्रेष्ठता के साथ इसके शुल्क निर्धारण में निजी अस्पतालों की तरह छूट ले सकता है।

प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं में हैल्थ टूरिज्म को विशेष स्थान देने के लिए कुछ चयनित अस्पतालों में विश्व स्तरीय सुविधाएं तथा आयुर्वेदिक पद्धति के अनुरूप प्रस्तुत करने की जरूरत है। मंत्रिमंडल ने 2224 नई नौकरियों की ताजपोशी में युवाओं की मेहनत को मुकाम की परिभाषा दी है, तो परिवहन क्षेत्र में स्वरोजगार खोजने का प्रोत्साहन भी जोड़ा है। छोटी ई बसों की खरीद पर तीस प्रतिशत अनुदान उपलब्ध करवा कर सरकार ने ग्रीन स्टेट में ग्रीन रोजगार को पैगाम दिया है। छोटे शहरी दुकानदारों को भी ऋण पर एक लाख की मदद का हाथ बढ़ाया जा रहा है। दूध खरीद की दरों में मुनाफे की दर बढ़ाते हुए सरकार ने जो आजमाइश की, उसके दूसरे चरण में नए दूध प्रसंस्करण संयंत्र व चिलिंग केंद्र जोड़ते हुए अपने संकल्प जाहिर किए हैं। शिमला के नजदीक जाठिया देवी टाउनशिप की तैयारियों के बाद शहरीकरण की तलाश में चंडीगढ़ के समीप एक और पंचकूला या मोहाली विकसित करने की एक कोशिश बद्दी के शीतलपुर में की जा रही है। यहां पहले चरण में ही 3400 बीघा जमीन हिमुडा के नाम की जा रही है। यह दीगर है कि जाठिया देवी के अलावा धर्मशाला के नरघोटा में टाउनशिप की परियोजनाएं अपनी उदासी और उदासीनता की बाहों में डोल रही हैं। शिमला से कार्यालयों के स्थानांतरण की प्रक्रिया में एक और पर्दा उठा, जब मंत्रिमंडल ने पिछड़ा वर्ग आयोग के मुख्यालय को धर्मशाला भेजने का ऐलान किया। हिमाचल सरकार अपनी संवेदना में स्पर्श भरते हुए सुखाश्रय योजना को नित नए आयाम दे रही है और इसी कड़ी में अब कुछ गैर सरकारी संगठनों को भी इसकी छत उपलब्ध करवा रही है। इस कड़ी में धर्मशाला के टोंग लेन स्कूल को सुखाश्रय की छत उपलब्ध कराई जा रही है। भले ही राज्य की मजबूरियां अपने आर्थिक संसाधनों में दर्ज हो रही हैं या कुछ स्पॉट पर विपक्ष की आलोचना हावी हो जाती है, लेकिन हिमाचल में व्यवस्था परिवर्तन के रास्ते पर सरकार अपने तौर पर नवाचार कर रही है। इस दृष्टि से कुछ प्रयत्न प्रशंसनीय कहे जाएंगे, लेकिन अभी राज्य के कई व्यय ऐसे जरूर हैं, जिन्हें रोका जा सकता है।

# आशा, संकल्प व लोक कल्याण का नववर्ष

इसी आशा और विश्वास के साथ कामना है कि नववर्ष 2026 सभी के जीवन में स्वास्थ्य, शांति, सद्भाव और समृद्धि लेकर आए और यह वर्ष नई ऊर्जा, नई दृष्टि तथा लोक–कल्याण के नए संकल्पों का वर्ष बने। सभी शुभचिंतकों को नव वर्ष की बहुत–बहुत बधाइयां। नववर्ष 2026 हमारे जीवन के द्वार पर दस्तक दे चुका है। नववर्ष केवल तिथि परिवर्तन या कैलेंडर का पन्ना पलटने भर का नाम नहीं, बल्कि आत्ममंथन, आत्मसुधार और नवसंकल्प का अवसर होता है। यह वह क्षण है जब व्यक्ति अपने भीतर झांककर यह तय करता है कि बीते समय से उसे क्या सीख मिली और आने वाले समय में जीवन को किस दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा? ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि हम नववर्ष में न केवल अपने व्यक्तिगत कल्याण का, बल्कि व्यापक लोक कल्याण का भी संकल्प लें। यह सत्य है कि हम जैसा सोचते हैं, वैसी ही हमारी वाणी बनती है। जैसी वाणी होती है, वैसा ही हमारा कर्म होता है, और जैसे कर्म होते हैं, वैसा ही हमारा व्यक्तित्व आकार लेता है। इसलिए नववर्ष 2026 का शुभारंभ यदि हमें करना है, तो अपने भीतर व्याप्त बुराइयों, कमजोरियों और अज्ञान के अंधकार को दूर कर ज्ञान, विवेक और प्रकाश का स्वागत करना होगा। समर्पण, ईमानदारी, धैर्य और नियमित आत्म–मूल्यांकन के माध्यम से ही हम सफलता के पथ पर आगे बढ़ सकते हैं। दृढ़ संकल्प, बलवती इच्छाशक्ति, रचनात्मक चिंतन, विवेकयुक्त पुरुषार्थ और निर्णायक कार्यशैली, इन पंचामृत तत्वों को अपनाकर व्यक्ति न केवल अपना कल्याण कर सकता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। यह पृथ्वी करोड़ों वर्षों से निरंतर गतिमान है। इस दीर्घ कालखंड में प्रकृति बदली है, भौगोलिक स्वरूप बदले हैं, जीव–जंतु और मानव सभ्यता ने अनेक रूप धारण किए हैं। इस परिवर्तनशील सृष्टि में यदि कुछ स्थायी रहा है, तो वह है परिवर्तन स्वयं।

किंतु इन सभी परिवर्तनों के बीच मानव की आशा, जिजीविषा और कुछ नया करने की अदम्य इच्छा सदैव बनी रही है। शायद इसी कारण कहा गया है कि आशा जागते हुए मनुष्य का स्वप्न है। मानव जीवन भले ही सीमित हो, किंतु ईश्वर प्रदत्त बुद्धि, विवेक और परिश्रम के बल पर मनुष्य ने असंभव को संभव कर दिखाया है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि कठिनाइयों और असफलताओं के बावजूद जिन लोगों ने हार नहीं मानी, वही आगे चलकर प्रेरणा बने। बिल गेट्स, थॉमस एडिसन, वाल्ट डिज्नी, रवींद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, अब्राहम लिंकन और जेके रॉलिंग जैसे व्यक्तित्व इस सत्य के प्रमाण हैं कि असफलता अंत नहीं, बल्कि सफलता की सीढ़ी होती है। हमारी पीढ़ी ने पिछले कुछ दशकों में ऐसे परिवर्तन देखे हैं, जिनकी कभी कल्पना भी नहीं की गई थी। शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। किंतु यह भी एक कटु सत्य है कि भौतिक प्रगति की इस अंधी दौड़ में मानवीय संवेदनाएं कहीं पीछे छूटती जा रही हैं। रिश्तों में अपनापन, आदर और स्नेह का क्षरण स्पष्ट दिखाई देता है। ऐसा प्रतीत होता है मानो हम भावनात्मक रूप से संज्ञाशून्य होते जा रहे हैं और प्रेम, करुणा तथा सहानुभूति जैसे मूल्य गौण हो गए हैं। आज हमारी भावनाओं पर वस्तुओं, ब्रांड और दिखावटी जीवनशैली का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। तेज रफ्तार जीवन में समय मानो हाथ से फिसलता चला जा रहा है। कब वर्ष बीत जाते हैं, इसका एहसास तक नहीं होता और नववर्ष का आगमन केवल एक औपचारिकता बनकर रह जाता है।

किंतु जीवन ठहराव नहीं, निरंतर प्रवाह का नाम है। समय के साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़ना ही मनुष्य की नियति है। ऐसे में संकल्प का महत्व और भी बढ़ जाता है। संकल्प मन को केंद्रित करता है, इच्छाशक्ति को प्रबल बनाता है और ऊर्जा को सही दिशा देता है। नववर्ष 2026 के द्वार पर खड़े होकर आज मनुष्य व्यक्तिगत, सामाजिक और आर्थिक, तीनों स्तरों पर चुनौतियों का सामना कर रहा है। मानसिक तनाव, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, नशाखोरी, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसी समस्याएं हमारे समय की कठोर सच्चाइयां हैं। किंतु इन चुनौतियों के आगे घुटने टेक देना समाधान नहीं है। दृढ़ इच्छाशक्ति, सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास से हर चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। कठिनाइयां हमें तोडऩे नहीं, बल्कि मजबूत बनाने आती हैं, नववर्ष 2026 का यही मूल संदेश होना चाहिए। नववर्ष नई शुरुआत का प्रतीक है। यह हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। सबसे पहला संकल्प अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का होना चाहिए, क्योंकि स्वस्थ शरीर और शांत मन के बिना जीवन की कोई भी उपलब्धि सार्थक नहीं हो सकती। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और मानसिक संतुलन को जीवन का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है।

# पत्रकार से अभद्रता और सही जवाब

पुराने साल के बीतने और नए साल के आने के दरम्यान मध्यप्रदेश से एक अच्छी और एक बुरी खबर आई। बुरी खबर यह कि देश के स्वच्छतम शहरों में शुमार राज्य की आर्थिक राजधानी इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी की वजह से फैले संक्रमण ने गंभीर रूप ले लिया है। पिछले लगभग एक हफ्ते से दूषित पानी से बीमार होने की खबर आ रही थी। फिर पता चला कि मुख्य जल आपूर्ति लाइन में लीकेज के कारण सीवरेज का पानी मिलने से सैकड़ों लोग उल्टी–दस्त के शिकार हो गए हैं। कम से कम 13 लोगों की तो जान ही जा चुकी है और कई अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में लगातार भाजपा का शासन बना हुआ है। 2018 में कांग्रेस ने चुनाव जीता भी था, लेकिन कमलनाथ सरकार को ज्योतिरादित्य सिंधिया की मदद से भाजपा ने गिरवा दिया और फिर से अपनी सरकार बना ली। इंदौर के सभी 9 विधायक भाजपा से हैं, सांसद भी भाजपा के हैं, महापौर भी भाजपा के हैं और सबसे बढ़कर शहरी विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी भाजपा से ही हैं। इसके बावजूद अगर इतने लोग दूषित जल से मर जाएं, तो फिर नैतिकता यही कहती है कि जिम्मेदार लोगों को फौरन इस्तीफे की पेशकश कर देनी चाहिए। लेकिन मोदीजी के नए भारत में इस्तीफे नहीं होते, ये बात तो खुद राजनाथ सिंह कह चुके हैं। देश के लिए सबक इस नए भारत में जनप्रतिनिधि मीडिया को सवाल पूछने का हक भी नहीं देते हैं, यह बात भी अब मोदी सरकार को और भाजपा को आधिकारिक तौर पर कह देनी चाहिए। क्योंकि लगातार ऐसे प्रकरण हो रहे हैं जिसमें सवाल पूछने वाले पत्रकार से बदसलूकी हो रही है। तो इस बुरी खबर के बीच अच्छी खबर ये है कि भाजपा भले ही सवाल पूछने का हक न दे, लेकिन देश में अभी कुछ पत्रकार बचे हैं जो न केवल सवाल पूछ रहे हैं, बल्कि मंत्री की तरफ से गलत भाषा के इस्तेमाल पर खुल कर विरोध भी कर रहे हैं। दरअसल कैलाश विजयवर्गीय से एनडीटीवी के पत्रकार अनुराग द्वारी ने दूषित जल प्रकरण पर सवाल किए तो उन्होंने झल्लाते हुए कहा कि फोकट के प्रश्न मत पूछो, श्री द्वारी इस पर भी नहीं रुके और उन्होंने प्रतिवाद किया, साथ ही कहा कि मैं वहां होकर आया हूं, तो उन्होंने कहा कि क्या घंटा होकर आए हो। इस निम्नस्तरीय भाषा पर अनुराग द्वारी ने कैलाश विजयवर्गीय को सीधे–सीधे भाषा की तमीज का पाठ पढ़ा दिया और कहा कि वो अपना काम कर रहे हैं, हालांकि इसके बाद भी श्री विजयवर्गीय के साथ के लोगों ने अनुराग द्वारी को ही रोकने की कोशिश की कि हमारे नेता हैं, उनसे ऐसी बात नहीं की जा सकती। दरअसल मोदी–शाह के युग की भाजपा के कई नेताओं को यह खुशफहमी है कि उनसे सवाल नहीं किया जा सकता, या उनकी सरकार की खामियों पर टोका नहीं जा सकता। पूर्व सांसद स्मृति ईरानी ने अमेठी में एक पत्रकार को डपटते हुए कहा था कि मैं आपके मालिक से बात करूंगी। ये सीधे–सीधे पत्रकार को धमकी ही थी और इसमें जितनी गलती नेता की है, उतनी ही गलती उन मीडिया मालिकान की भी है, जो सत्ता से नजदीकी बढ़ाकर अपने लिए वित्तीय, सियासी या अन्य किस्मों के लाभ लेते हैं और बदले में आदर्शों को गिरवी रख देते हैं। मीडिया घरानों ने जिस तरह सत्ता के चरणों में खुद को झुका दिया है, उसी का नतीजा है कि अब पत्रकारों के सवालों का जवाब देना तो दूर उनसे शिष्टाचार से बातें भी नहीं की जातीं। अभी दो दिन पहले प.बंगाल में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक पत्रकार से कहा कि तुम बंगाल की चिंता करो, हमारी पार्टी की चिंता मत करो। जबकि उन पत्रकार ने केवल यही पूछा था कि 75 साल में मार्गदर्शक मंडल में भेजने का नियम अभी के नेताओं पर भी लागू होगा।

# कांग्रेस के पतन की जिम्मेवारी किसकी

दिग्विजय सिंह ने नरेंद्र मोदी का उदाहरण दिया है। संगठन के बल पर प्रधानमंत्री पद तक कोई पहुंच सकता है। शायद वे यही बताना चाह रहे हैं कि कांग्रेस में ये पद सोनिया गान्धी के परिवार तक ही सीमित हैं। हो सकता है अब वे इसे वाड्रा परिवार को हस्तान्तरित करने का निर्णय कर लें। शशि थरूर ने सोनिया परिवार की इच्छा के खिलाफ पार्टी के प्रधान पद के लिए चुनाव लड़ कर इस राज परिवार के चंगुल से कांग्रेस को निकालने की कोशिश की थी, लेकिन राज परिवार ने उन्हें अंतिम क्षण तक मतदाता सूची ही नहीं दी थी। राबर्ट वाड्रा ने प्रियंका वाड्रा के प्रधानमंत्री बनने का दावा ठोंक दिया है और वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी को राज परिवार से मुक्त करवाने की रणनीति बनाना शुरू कर दी है३ देश की राजनीति जो करवट ले रही है, उसे देखकर मुझे यह आकलन करना पड़ रहा है। लेकिन उससे पहले गांधी परिवार शब्द को स्पष्ट कर देना जरूरी है। दरअसल आज देश की राजनीति में जिस परिवार को गांधी परिवार के नाम से जाना जाता है, वह विस्तृत नेहरु परिवार है जिसे अंग्रेजी में एक्सटेंडेड नेहरु फैमिली कहा जाता है। यह दरअसल पंडित जवाहर लाल नेहरु की बेटी का परिवार है। इसका महात्मा गान्धी या उनके परिवार से कुछ लेना–देना नहीं है। नेहरु जी की बेटी इंदिरा गान्धी के दो बेटे राजीव गान्धी और संजय गान्धी थे। संजय गान्धी के परिवार की चर्चा आजकल विस्तृत नेहरू परिवार में नहीं होती। भारतीय राजनीति में जिसे नेहरु–गान्धी परिवार कह दिया जाता है वह भी दरअसल राजीव गान्धी का ही परिवार है। राजीव गान्धी के परिवार में उनका बेटा राहुल गान्धी और प्रियंका गान्धी हैं। राहुल गान्धी ने न जाने किन कारणों से ब्रह्मचर्य का व्रत ले लिया है इसलिए उसका आगे परिवार नहीं है। प्रियंका गान्धी की शादी एक पंजाबी बढेरा परिवार में हुई है जिसे अंग्रेजी में वाड्रा कहा जाता है। इसका कारण शायद उनके पति राबर्ड द्वारा ईसाई मजहब में मतान्तरित हो जाना कहा जाता है। कारण कोई भी हो, कुल मिला कर कहा जा सकता है कि भारतीय राजनीति में नेहरू–गान्धी परिवार के नाम पर राबर्ट वाड्रा का परिवार है जिसमें उसकी पत्नी प्रियंका गान्धी वाड्रा और उसके दो बच्चे हैं। उनके बेटे की सगाई किसी अबीवा बेग नामक लडक़ी से हो गई है, इसलिए अब प्रियंका गान्धी वाड्रा सास बनने की स्थिति में आ गई हैं और सोनिया गान्धी परदादी। यानी इस परिवार में अब दो परिवार हैं। राहुल गान्धी जो ब्रह्मचारी हैं और राबर्ट वाड्रा जिन्होंने पिछले दिनों कहा था कि देश की जनता वाड्रा परिवार की प्रियंका गान्धी वाड्रा को प्रधानमंत्री पद पर देखना चाहती है। लेकिन राहुल गान्धी की मां सोनिया गान्धी की लम्बे समय से इच्छा रही है कि परिवार में गद्दी का वारिस राहुल है, बेटी जो पराया धन है, नहीं। इसलिए वो लम्बे समय से राहुल गान्धी को कांग्रेस की कमान इस आशा में दिए हुए हैं कि एक न एक दिन भारत के लोग पुनः सत्ता कांग्रेस को सौंप देंगे, तब राहुल गान्धी प्रधानमंत्री बन जाएंगे। कहा जाता है कि इटली की मानसिक चेतना में भी लडक़ों को लडक़ी के मुकाबले वरीयता दी जाती है। लेकिन सोनिया गान्धी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि समय मु–ी में से रेत की तरह निकला जा रहा है लेकिन भारत के लोग तथाकथित नेहरु–गान्धी परिवार को सत्ता सौंप देने की जल्दी में नहीं लगते। इधर वाड्रा परिवार का धैर्य भी चुक रहा है। जो कभी वाड्रा परिवार की बहू थी, वह सास बनने तक पहुंच गई है, लेकिन सत्ता दूर–दूर तक दिखाई नहीं दे रही। कहीं हालत वाड्रा परिवार और राहुल गान्धी में ही रस्साकशी की तो नहीं बन रही? यदि ऐसा होता है तो सोनिया गान्धी किसके साथ खड़ी होंगी? यह प्रश्न भी भारतीय राजनीति में सिर उठाने लगा है।

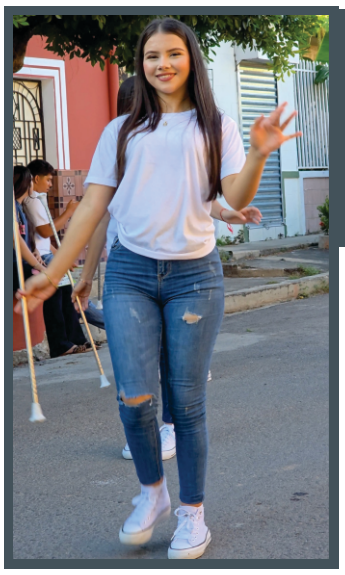

# नए साल के स्वागत में खूब झूमी गोरक्षनगरी

## केक काटकर किया नए साल का स्वागत

**गोरखपुर,संवाददाता**

नए साल के स्वागत के मौके पर शहर में पूरी तैयारियां रहीं। गोरखपुर क्लब, फॉरेस्ट क्लब, क्रूज व अन्य रिसॉर्ट व होटलों में नए साल की पूर्व संध्या पर जश्न का माहौल रहा। महानगर के लगभग सभी गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया गया। नए साल के स्वागत को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। अपार्टमेंट्स में रहने वाली महिलाएं समूह बनाकर नए साल की पूर्व संध्या पर सामूहिक कार्यक्रम में शामिल रहीं।

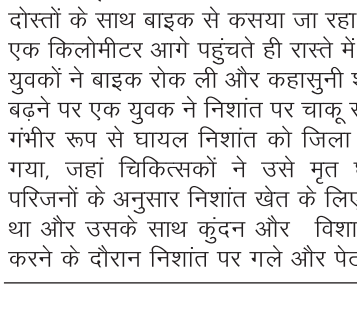

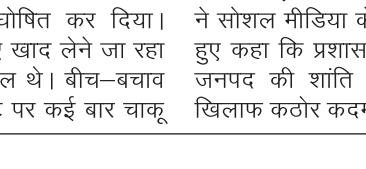

**नव वर्ष के अवसर पर नौकाविहार रोड स्थित होटल में नृत्य करते लोग**

साल के अंतिम दिन 2025 की विदाई और नववर्ष के स्वागत में देर रात तक गोरक्षनगरी में जश्न मनाया गया। गोरखपुर क्लब, फॉरेस्ट क्लब, क्रूज व अन्य रिसॉर्ट व होटलों में नए साल की पूर्व संध्या पर जश्न का माहौल रहा। जैसे ही घड़ी में 12 बजा, चारों ओर हैप्पी न्यू ईयर का शोर गूंज उठा। आतिशबाजी के साथ गोरखपुर वासियों ने नए साल का स्वागत किया।

गोरखपुर क्लब में जनरल सेक्रेटरी डॉ. संजीव गुलाटी के निर्देशन में रात आठ बजे से ही पार्टी का आयोजन शुरू हो गया। डीजे पर डांस के साथ बाहर से आए कलाकारों ने गीतों के माध्यम से लोगों का मनोरंजन किया। जोड़े डीजे की धुन पर थिरकते रहे। रात 12 बजे आतिशबाजी की गई और केक काटकर नए साल का स्वागत किया गया। गुलरिहा स्थित निजी रिसॉर्ट में भी डीजे और गायक कलाकारों ने रात को यादगार बना दिया।

### नए साल के जश्न में गिरजाघरों में हुई विशेष प्रार्थना

नववर्ष की पूर्व संध्या पर बुधवार रात महानगर के लगभग सभी गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया गया। सिविल लाइंस स्थित सेंट जोसेफ चर्च में पल्ली पुरोहित फादर जीजो एंथोनी ने धन्यवाद प्रार्थना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। इसी तरह सेंट एंथोनी चर्च धर्मपुर सहित शहर के सभी चर्चों में भक्ति भाव से विशेष प्रार्थनाएं की गईं।

### महिलाओं में खासा उत्साह, होंगे विविध आयोजन

नए साल के स्वागत को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। अपार्टमेंट्स में रहने वाली महिलाएं समूह बनाकर नए साल की पूर्व संध्या पर सामूहिक कार्यक्रम आयोजित कर रही हैं। इनमें म्यूजिकल चेयर, क्विज, डांस प्रतियोगिता, कुकिंग विदाउट फायर और फैशन शो जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

### किसी ने पार्टी के लिए बनाया प्लान, कोई धार्मिक स्थलों पर जाने को तैयार

शहर में नए साल के आगमन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। साल के आखिरी दिन युवाओं में जश्न की तैयारियां तेज हो गई हैं। कोई दोस्तों के साथ पार्टी का प्लान बना रहा है, तो कोई नए साल की शुरुआत धार्मिक स्थलों में दर्शन और पूजा–अर्चना के साथ करेगा।

नए साल में इस बार नए साल पर अपने दोस्तों के साथ घूमने जाएंगे। दोस्तों के लिए गिफ्ट भी खरीदे हैं। केक काटकर नए साल का स्वागत करेंगे: जाह्नवी भारद्वाज

नए साल पर अपनी मां के लिए गुलाब का बुके खरीदा है। घर वालों के साथ नया साल मनाने की तैयारी की है। खासकर मां के साथ अलग–अलग तरह के पकवान बनाएंगे: शिवानी

## कुशीनगर में युवक की हत्या के बाद तनाव

**कुशीनगर,संवाददाता।** निशांत खेत के लिए खाद लेने जा रहा था और उसके साथ कुंदन और विशाल थे। बीच–बचाव करने के दौरान निशांत पर गले और पेट पर कई बार चाकू से वार किया गया। मृतक अपने माता–पिता की इकलौता संतान था और 12वीं की पढ़ाई के बाद सेना व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। पिता खेती–बाड़ी कर परिवार का पालन–पोषण करते हैं। कुशीनगर जिले के कसया थाना क्षेत्र में चाकूबाजी की एक घटना में 22 वर्षीय युवक की मौत के बाद इलाके में तनाव व्याप्त हो गया। मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने शव का पोस्टमार्टम होकर आने पर अंतिम संस्कार करने से इनकार करते हुए नैका छपरा चौराहे पर शव रखकर सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शन के कारण मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। लोग आरोपियों के घर पर बुलडोजर और एनकाउंटर की मांग करने लगे। यह घटना बुधवार को कसया थाना क्षेत्र के जुड़वनिया गांव के पास हुई, जहां 22 वर्षीय निशांत सिंह पुत्र संतोष सिंह की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि निशांत अपने गांव के दो दोस्तों के साथ बाइक से कसया जा रहा था। गांव से करीब एक किलोमीटर आगे पहुंचते ही रास्ते में पहले से मौजूद दो युवकों ने बाइक रोक ली और कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर एक युवक ने निशांत पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल निशांत को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार निशांत खेत के लिए खाद लेने जा रहा था और उसके साथ कुंदन और विशाल थे। बीच–बचाव करने के दौरान निशांत पर गले और पेट पर कई बार चाकू से वार किया गया। मृतक अपने माता–पिता की इकलौता संतान था और 12वीं की पढ़ाई के बाद सेना व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। पिता खेती–बाड़ी कर परिवार का पालन–पोषण करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही दोनों गांवों में आक्रोश फैल गया। आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने नैका छपरा चौराहे पर शव रखकर करीब साढ़े चार घंटे तक सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। हालात को देखते हुए मौके पर एडीएम विभव मिश्र, एडिशनल सिद्धार्थ वर्मा समेत कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात की गई। पीएसी की एक यूनिट भी एहतियातन मौके पर मौजूद रही। प्रशासन द्वारा लगातार समझाने–बुझाने के बाद पुलिस ने करीब साढ़े चार घंटे बाद शव को चौराहे से हटवाकर परिजनों के घर भिजवाया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मृतक और आरोपी पक्ष के गांवों में भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी नौशाद अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बीच घटना को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। कुशीनगर सांसद विजय दुबे ने सोशल मीडिया के माध्यम से घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई है और जनपद की शांति व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे।

## मुरादाबाद में छाया रहा कोहरा...

### ठिठुरन तेज, वर्ष 2020 के बाद सबसे ठंडा रहा साल का पहला दिन

**मुरादाबाद,संवाददाता।** नववर्ष 2026 का पहला दिन मुरादाबाद में पिछले पांच वर्षों की पहली तारीखों में सबसे ठंडा रहा। अधिकतम तापमान 15.5 और न्यूनतम 7.5 डिग्री दर्ज किया गया। शुक्रवार को भी कोहरे और नमी के कारण दिनभर धूप नहीं निकली और गलन बनी रही। नववर्ष 2026 का पहला दिन पिछले पांच वर्षों की पहली तारीख की तुलना में सबसे ठंडा रहा। बृहस्पतिवार को जिले का अधिकतम तापमान 15.5 डिग्री रहा। इससे पहले एक जनवरी 2020 को यह 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इसी के साथ बृहस्पतिवार को सीजन की सबसे ठंडी पूस की रात रही। उधर शुक्रवार को सुबह से ही कोहरा छाया रहा। न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले 29 दिसंबर की रात अब तक का सबसे कम तापमान रहने की आशंका जताई गई थी लेकिन तब पारा 8 डिग्री रहा था। इस बार नए साल के पहले दिन लोगों को सूर्यदेव के दर्शन नहीं हो सके। सुबह–सुबह कोहरे की चादर में शहर लिपटा रहा।

दोपहर में कोहरा जरूर छंटा लेकिन धूप नहीं निकली। शाम को कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई। वातावरण में नमी 78 प्रतिशत दर्ज की गई। इसके कारण लोगों को गलन का अहसास हुआ। मुरादाबाद एयरपोर्ट पर तैनात मौसम विभाग की टीम के मुताबिक आने वाले सात दिन में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होगी।

कोहरे से राहत मिलने की संभावना नहीं दिख रही है। आसपास के हिल स्टेशनों से तुलना करें तो नए साल पर मुरादाबाद का पारा नैनीताल, देहरादून से भी कम रहा। बृहस्पतिवार को नैनीताल में अधिकतम तापमान 16 डिग्री और न्यूनतम आठ डिग्री रहा। देहरादून में भी यही स्थिति रही। जम्मू में दिन का तापमान 16 डिग्री और रात का 10.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

## डीजीपी ने पदोन्नत पुलिस अधिकारियों को लगाया प्रतीक चिह्न

**राज्य ब्यूरो, लखनऊ।** डीजीपी राजीव कृष्ण ने पुलिस मुख्यालय में नए वर्ष के पहले दिन आयोजित समारोह में नव पदोन्नत पुलिस अधिकारियों को प्रतीक चिन्ह लगाया। पुलिस अधिकारियों की पिपिंग सेरेमनी को लेकर उन्होंने पुलिस महानिरीक्षक से अपर पुलिस महानिदेशक के पद पर पदोन्नत हुए तरुण गाबा व प्रवीण कुमार को प्रतीक चिन्ह लगाया। इसके अलावा पुलिस उप महानिरीक्षक से पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए किरण एस, आनन्द सुरेश राव कुलकर्णी, अमित वर्मा, राजीव मल्होत्रा, डा. अखिलेश कुमार निगम, हेमराज मीना को पुलिस उप महानिरीक्षक, संतोष कुमार मिश्रा को पुलिस उप महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नति मिलने के बाद डीजीपी ने प्रतीक चिन्ह लगाया।

पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक अन्य समारोह में डीजीपी ने नव वर्ष को लेकर पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों से मुलाकात कर उन्हें नए वर्ष की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि नए वर्ष में और अधिक सक्रिय रहकर अपराध की चुनौतियों को हल करना है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल एक परिवार है। पुलिसकर्मियों के अथक प्रयासों से प्रदेश में कानून–व्यवस्था सुदृढ़ हुई है और पुलिस में आमजन का विश्वास मजबूत हुआ है। साथ ही उम्मीद जताई कि नया वर्ष पुलिस के लिए और अधिक उपलब्धियों, जनसेवा, संवेदनशील पुलिसिंग तथा नागरिकों के साथ विश्वास के रिश्ते को और गहराई देने वाला सिद्ध होगा।

**डीजीपी ने पुलिस कर्मियों को दिया भावुक संदेश**

डीजीपी राजीव कृष्ण ने नए वर्ष पर पुलिस कर्मियों को भावुक संदेश दिया। उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि बीता वर्ष कर्तव्य, कठिनाई और कर्मठता की कसौटी वाला रहा है। पुलिस की वर्दी ने शक्ति ही नहीं बल्कि संवेदनशीलता भी दिखाई।

## अस्मत बचाने के लिए खूनी संघर्ष

**युवती ने आरोपी को मारा फरसा, निकल आईं आंखें, फिर डंडे से पीट–पीटकर की हत्या**

**बांदा,संवाददाता।** बबेरू में दुष्कर्म की कोशिश करने वाले पड़ोसी किसान को युवती ने फरसे से काटकर मार डाला। पुलिस ने युवती को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। बांदा जिले में बबेरू कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में नए साल के पहले दिन सनसनीखेज घटना हुई। बृहस्पतिवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे घर में अकेली युवती के साथ दुष्कर्म की कोशिश करने पर युवती ने सजातीय पड़ोसी किसान के माथे में फरसे से वारकर गिरा दिया। फरसे के वार से उसकी दोनों आंखें बाहर निकल आईं। इसके बाद डंडे से पीटकर उसकी हत्या कर दी।

युवती आला कत्ल लेकर खुद चौकी पहुंच गई और हत्या की बात स्वीकार की। पुलिस ने युवती को हिरासत में लिया गया है। घटनास्थल पर पुलिस अधिकारियों ने जांच–पड़ताल की है। शव अर्धनग्न अवस्था में घर के अंदर पड़ा था। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। हालांकि पुलिस युवती के चौकी पहुंचने की बात को पुष्ट नहीं कर रही हैं। उधर, मृतक की पत्नी का आरोप है कि हत्यारोपी उसके पति को मुंगोड़ा खिलाने के बहाने घर ले गई थी

**फरसे से किसान के माथे में वार कर दिया**

वहां उसकी हत्या कर दी। गांव निवासी युवती (18) गुरुवार की दोपहर घर में अकेली थी। तभी उसके घर के सामने रहने वाला किसान (50) मौका पाकर उसके घर में घुस आया। उसने युवती के साथ दुष्कर्म की कोशिश की। जिस पर उसने घर में रखे फरसे से किसान के माथे में वार कर दिया। एक ही वार में वह गिर गया। उसके बाद उसने डंडे से पीटकर हत्या कर दी।

## SHO साहब की गजब हैं ट्रिक

**'मशीन तो बांग्लादेशी बता रही'**

**पीठ पर लगाया मोबाइल, बोले– यह ऐसी मशीन है जो बता देगी कि कहां के हो**

**कौशांबी,संवाददाता।** थाने के प्रभारी अजय शर्मा ने झुग्गी सत्यापन अभियान में कहा कि मेरे पास ऐसी मशीन है जो लगाते ही बता देगी कि कहां के मूलनिवासी हो। साथ ही मजाकिया अंदाज फोन लगाकर बोले कि मशीन तो बांग्लादेशी बता रही है। 'हमारे पास एक ऐसी मशीन है जो लगाते ही बता देगी कि कौन कहां का मूलनिवासी है।' यह बात कौशांबी थाने के प्रभारी अजय शर्मा ने तब कही जब वह झुग्गी–झोपड़ी में सुरक्षा के लिहाज से सत्यापन अभियान चला रहे थे। अभियान 23 दिसंबर को चला था लेकिन इस बयान का वीडियो एक जनवरी को सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ।

23 दिसंबर को सुरक्षा के लिहाज से पुलिस ने झुग्गी झोपड़ी में सत्यापन अभियान चलाया था। जब कौशांबी पुलिस झुग्गी क्षेत्र में पहुंची तब एक व्यक्ति से पहचान संबंधी दस्तावेज मांगा। व्यक्ति मूलरूप से बिहार के अरनिया का रहने वाला था।

पहचान पत्र देखते ही थाना प्रभारी ने कहा कि बांग्लादेश के हो या बिहार के, हमारे पास ऐसी

मशीन है जो लगाते ही बता देती है कि कौन–कहां का है। इसके बाद मशीन लाने की बात कहकर अपना मोबाइल व्यक्ति की पीठ पर लगाकर कहते हैं कि मशीन बांग्लादेशी बता रही है। तब व्यक्ति कहता है कि नहीं साहब यहां कोई भी बांग्लादेशी नहीं है। सभी बिहार व अन्य जगह के हैं। 26 सेकंड का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जब वायरल हुआ तब पुलिस की एक हास्यासपद छवि को लोगों ने उकेरना शुरू किया।

> एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस ने सत्यापन अभियान चलाया था। किसी भी व्यक्ति पर कोई दबाव नहीं बनाया गया था।

## यूपी के इस जिले में गंगा एक्सप्रेस–वे के किनारे बनेगा औद्योगिक ग्रीन गलियारा

**अमरोहा में औद्योगिक ग्रीन गलियारा भूमि अधिग्रहण तेज। मंगरौला के किसान सर्किल रेट बढ़ाने की कर रहे मांग। एसडीएम ने विकास के लिए किसानों से सहयोग मांगा।**

**संवाददाता, अमरोहा।** हसनपुर तहसील प्रशासन ने नया साल शुरू होते ही मंगरौला में औद्योगिक ग्रीन गलियारा की स्थापना के लिए चिन्हित भूमि के किसानों से यूपीडा के पक्ष में बैनामा कराने की कवायद तेज कर दी है। नवंबर माह से चल रहे एसआईआर के कार्य से राहत मिलने पर राजस्व निरीक्षक एवं लेखपालों की ड्यूटी मंगरौला में किसानों से वार्ता करने के लिए लगाई गई है। मेरठ से प्रयागराज तक 594 किमी लंबे गंगा एक्सप्रेसवे के नजदीक औद्योगिक ग्रीन गलियारा भी स्थापित कराया जाना प्रस्तावित है। जिसके लिए ग्राम पंचायत मंगरौला, रूस्तमपुर खादर तथा दौलतपुर कला के रकबा में 2200 बीघा भूमि उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने चिन्हित की थी, जिसमें तीनों गांवों में करीब 62 फीसद भूमि के बैनामा तहसील प्रशासन अब तक यूपीडा के पक्ष में करा चुका है।

सबसे ज्यादा खराब स्थिति मंगरौला गांव की है। यहां के करीब 22 प्रतिशत किसान ही अपनी भूमि औद्योगिक ग्रीन गलियारा के लिए बैनामा कराकर यूपीडा को दे चुके हैं। जबकि, 108 किसानों से अभी भूमि के बैनामा कराने का कार्य बाकी है। एसडीएम हिमांशु उपाध्याय ने राजस्व निरीक्षकों एवं लेखपालों की टीम गठित करके संबंधित किसानों से उनके घर जाकर संपर्क करके भूमि के बैनामा कराने के लिए तैयार करने के लिए निर्देशित किया है। एसडीएम के आदेश पर गुरुवार को राजस्व निरीक्षक एवं लेखपालों ने किसानों से संपर्क कर वार्ता करते हुए उनके यूपीडा के पक्ष में बैनामा कराने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि मंगरौला के किसान भूमि का सर्किल रेट बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि पहले गंगा एक्सप्रेसवे और अब औद्योगिक ग्रीन गलियारा के लिए भूमि ली जा रही है। मंगरौला का सर्किल रेट काफी समय से नहीं बढ़ने की वजह से किसानों को मुआवजा कम मिल रहा है, जबकि जनपद के दूसरे गांवों का सर्किल रेट दो बार बढ़ाया जा चुका है। वहीं, अधिकारियों का तर्क है कि किसी भी परियोजना के शुरू होने के बाद उसमें शामिल गांवों की भूमि का सर्किल रेट बढ़ाया जाना संभव नहीं होता है। एसडीएम हिमांशु उपाध्याय का कहना है कि गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। औद्योगिक ग्रीन गलियारा स्थापित होने से यहां की जनता को लाभ मिलने के साथ ही विकास को पंख लगेंगे। उन्होंने किसानों से चिन्हित भूमि के बैनामा कराकर औद्योगिक ग्रीन गलियारा की स्थापना कराने में सहयोग करने को कहा है।

## गोरखपुर में नए साल के जश्न में नशे ने बिगाड़ा खेल

**41 पहुंचे अस्पताल**

**नए साल के जश्न में नशे में वाहन चलाने से दुर्घटनाएं। गोरखपुर में कुल 41 घायल अस्पताल में भर्ती। अधिकांश घायलों को सिर में गंभीर चोटें आईं।**

**संवाददाता, गोरखपुर।** नव वर्ष के जश्न के दौरान नशे में वाहन चलाना कई लोगों पर भारी पड़ गया। शराब के नशे में तेज रफ्तार बाइक चलाने के कारण शहर और आसपास के क्षेत्रों में कई सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें अनेक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। किसी का सिर फट गया तो किसी के हाथ–पैर टूट गए। कुछ लोग मारपीट में घायल हुए। 41 घायलों को जिला अस्पताल और बीआरडी मेडिकल कालेज में भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। जिला अस्पताल में बुधवार रात आठ बजे से गुरुवार रात आठ बजे तक कुल 16 घायल पहुंचे। इनमें से सात को सिर में चोट है। दो के सीने में गंभीर चोट लगी है। सात लोग मारपीट में घायल हुए हैं, इनमें से दो को प्राथमिक उपचार कर घर भेज दिया गया, शेष को भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। चिकित्सा अधीक्षक डा. बीके सुमन के अनुसार, अधिकतर मामलों में घायल युवक नशे की हालत में बाइक चला रहे थे। बीआरडी मेडिकल कालेज के ट्रामा सेंटर में इस अवधि के दौरान 25 घायल लाए गए। इनमें से 22 लोगों के सिर में गंभीर चोटें हैं या शरीर के अन्य हिस्सों में गहरे जख्म पाए गए उन्हें सर्जरी विभाग में भर्ती किया गया है। तीन घायलों के पैर टूटे हुए हैं, उन्हें आर्थोपेडिक वार्ड में भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. बीएन शुक्ला ने बताया कि नव वर्ष पर शराब पीने की वजह से लोग दुर्घटना के शिकार हुए और गंभीर चोटें आई हैं। इनमें से कई हेलमेट भी नहीं पहने हुए थे, जिसके कारण सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

## गोरखपुर में गुलरिहा थाना से चिलुआताल तक बनेगा नाला

**संवाददाता, गोरखपुर।** नगर निगम गोरखपुर की ओर से शहर की जलभराव समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। गुलरिहा थाना से चिलुआताल तक 12.353 किलोमीटर लंबा नाला निर्माण किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर लगभग 126 करोड़ रुपये की लागत आएगी, जिसे शासन से मंजूरी मिल चुकी है।

नाले के निर्माण से शहर के कई जलभराव प्रभावित इलाकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

तीन वार्डों की करीब 40 हजार की आबादी इससे सीधा लाभान्वित होगी।

यह नाला गुलरिहा थाना क्षेत्र स्थित कंचनपुर चौराहा से शुरू होकर गुलरिहा थाना, पुरैना, बनजरहा पुलिया, मिर्जापुर चौराहा होते हुए चिलुआताल के पास जाकर समाप्त होगा।

परियोजना के अंतर्गत 125.80 करोड़ रुपये की लागत से नाले का निर्माण किया जाएगा, जिससे वर्षा के दौरान होने वाले जलजमाव की समस्या को प्रभावी ढंग से दूर किया जा सकेगा। इस नाले के माध्यम से करीब 2221.83 हेक्टेयर कैचमेंट एरिया के पानी की सुचारू निकासी सुनिश्चित होगी।

## शिक्षक एमएलसी चुनाव: सभी दलों ने कसी कमर... बनाए गए 7385 मतदाता

**मुरादाबाद,संवाददाता।** शिक्षक एमएलसी चुनाव की तिथि अभी घोषित नहीं हुई है। इसके बाद भी मुरादाबाद–बरेली निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा, सपा और कांग्रेस ने संगठन स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। सपा ने हाजी मोहम्मद दानिश अख्तर को प्रत्याशी घोषित कर प्रचार तेज कर दिया है, जबकि भाजपा और कांग्रेस अभी प्रत्याशी तय किए बिना मतदाता सूची और संगठनात्मक मजबूती पर काम कर रही हैं। बसपा ने शिक्षक एमएलसी चुनाव न लड़ने का फैसला किया है। शिक्षक एमएलसी निर्वाचन के लिए तिथि घोषित नहीं की गई है लेकिन मुरादाबाद–बरेली निर्वाचन क्षेत्र के लिए भाजपा, सपा और कांग्रेस ने संगठन स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। अभी तक सपा को छोड़कर अन्य दलों ने प्रत्याशी भी घोषित नहीं किया है। भाजपा ने बूथ स्तर पर शिक्षक मतदाताओं को सूची में शामिल करने के लिए काफी जोर लगाया था।

इसी प्रकार सपा और कांग्रेस ने अपने हिसाब से तैयारी की है। भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश पाल का कहना है कि अभी पार्टी की तरफ से प्रत्याशी घोषित नहीं किया गया है लेकिन संगठन स्तर पर वोट बनवाने के लिए प्रयास किया गया है। प्रत्याशी घोषित होने पर पूरा संगठन उसके साथ सक्रिय हो जाएगा। सपा ने हाजी मोहम्मद दानिश अख्तर को अक्तूबर में ही प्रत्याशी घोषित कर दिया था। सपा की तरफ से लगातार चुनाव प्रचार भी किया जा रहा है। कांग्रेस ने अभी किसी को प्रत्याशी घोषित नहीं किया है लेकिन संगठन स्तर पर तैयारी चल रही है। कांग्रेस ने सुधीर पाठक कोआर्डिनेटर भी नियुक्त किया है। उनका कहना है कि अभी पार्टी ने प्रत्याशी तय नहीं किया है। बसपा ने शिक्षक एमएलसी चुनाव में उतरने से मना कर दिया है। इस मामले में बसपा के जिलाध्यक्ष निर्मल सागर का कहना है कि पार्टी ने किसी को प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। पार्टी शिक्षक एमएलसी का चुनाव नहीं लड़ेगी।

**शिक्षक एमएलसी निर्वाचन को 7385 मतदाता बनाए**

शिक्षक एमएलसी निर्वाचन के लिए जिला प्रशासन छह जनवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन करेगा। जिले में 7385 शिक्षक मतदाता बनाए गए हैं। जिला प्रशासन ने शिक्षक एमएलसी निर्वाचन क्षेत्र मुरादाबाद–बरेली के लिए दावे और आपत्तियों का निस्तारण लगभग पूरा कर लिया है। इस मामले में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन छह जनवरी को किया जाएगा। जिला उप निर्वाचन अधिकारी संगीता गौतम ने बताया कि मतदाता सूची में मुरादाबाद सदर तहसील क्षेत्र के 4590 शिक्षक मतदाता, कांठ के 957, ठाकुरद्वारा के 959, बिलारी तहसील क्षेत्र के 879 मतदाता शामिल हैं। सूची के अंतिम प्रकाशन की तैयारी पूरी कर ली गई है। बता दें कि मुरादाबाद–बरेली एमएलसी निर्वाचन क्षेत्र में नौ जिले शामिल हैं।

# कोहरा छंटा, लेकिन सर्द हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन

लखनऊ,संवाददाता

कोहरा जल्दी छंट गया, लेकिन दिनभर चली सर्द हवाओं ने लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया। शाम तक शीतलहर का असर बना रहा और लोग घरों में कैद नजर आए। कई दिनों से न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। घने कोहरे और प्रदूषण की मोटी परत के कारण दृश्यता भी प्रभावित रही। सुबह 10 बजे के बाद धूप निकलने के बावजूद ठंड का असर कम नहीं हुआ। कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक शीतलहर और कोहरे का असर बना रहेगा, वहीं आज बूंदाबांदी हो सकती है।

## एक्यूआई लाल श्रेणी में सांस के मरीज बढ़े

एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) बुधवार को 316 दर्ज किया गया, जो लाल श्रेणी में बना हुआ है। गंगानगर, जयभीम नगर, पल्लवपुरम, बेगमपुल और दिल्ली रोड जैसे इलाकों में भी प्रदूषण का स्तर चिंताजनक रहा।

### अस्पतालों में मरीजों की भीड़

बढ़ती ठंड और प्रदूषण के चलते अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पीएल शर्मा जिला अस्पताल और एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज में खांसी, जुकाम, वायरल बुखार, गले में खराश और सांस लेने में दिक्कत के मरीज बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। बुधवार को ओपीडी में 3715 मरीज दर्ज किए गए। सांस एवं छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. वीरोत्तम तोमर के अनुसार ठंड और प्रदूषण के कारण अस्थमा और फेफड़ों से संबंधित रोग बढ़ रहे हैं। वहीं नाक–कान–गला रोग विशेषज्ञ डॉ. बीपी कौशिक ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

# नया बिजली कनेक्शन सस्ता... इतने में लगेगा प्रीपेड मीटर

## नई कालोनियों में ये राहत, ग्राहकों के लिए तोहफा

**लखनऊ,संवाददाता।** यूपी के बिजली उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर है। यूपी में अब नया बिजली कनेक्शन लेना पहले से सस्ता और आसान हो गया है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर सिंगल फेस की कीमत 6016 की जगह 2800 देनी होगी। थ्री फेस स्मार्ट प्रीपेड की कीमत 11342 की जगह 4100 रुपये देनी होगी। इस्टीमेट व्यवस्था समाप्त हो गई है। फिक्स चार्ज के जरिए कनेक्शन मिलेगा। उत्तर प्रदेश में नया बिजली कनेक्शन लेना अब पहले से सस्ता और आसान हो गया है। विद्युत नियामक आयोग ने बुधवार को नई कॉस्ट डाटा बुक–2025 जारी कर दी। इसके तहत स्मार्ट प्रीपेड मीटर और नए कनेक्शन की लागत में बड़ी कटौती की गई है।

साथ ही एस्टीमेट बनाने की व्यवस्था भी समाप्त कर दी गई है। नई व्यवस्था के तहत सिंगल फेज स्मार्ट प्रीपेड मीटर की कीमत 6016 रुपये से घटाकर 2800 रुपये कर दी गई है। वहीं, थ्री फेज स्मार्ट प्रीपेड मीटर अब 11342 रुपये की जगह 4100 रुपये में लगाया जाएगा। आयोग ने नए बिजली कनेक्शन के लिए एस्टीमेट प्रणाली को खत्म करते हुए फिक्स चार्ज लागू कर दिया है। अब 300 मीटर तक दूरी और 150 किलोवाट तक लोड (निजी नलकूप को छोड़कर) के लिए अलग से एस्टीमेट तैयार नहीं किया जाएगा।

नई दरों के अनुसार, यदि कोई उपभोक्ता 2 किलोवाट का कनेक्शन 100 मीटर तक दूरी पर लेता है तो उसे 5500 रुपये एकमुश्त जमा करने होंगे। वहीं, 300 मीटर की दूरी के लिए 7555 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। पहले ऐसे मामलों में खंभा, तार और ट्रांसफार्मर के नाम पर 10 से 20 हजार रुपये तक वसूले जाते थे। आयोग के सचिव सुमित अग्रवाल ने बताया कि पावर कॉर्पोरेशन को निर्देश दिए गए हैं कि 12 जनवरी 2026 तक सॉफ्टवेयर में आवश्यक बदलाव कर लिए जाएं ताकि नई दरों के अनुसार ही उपभोक्ताओं से शुल्क लिया जा सके।

**स्मार्ट प्रीपेड मीटर अब सस्ते**

| सिंगल फेज स्मार्ट प्रीपेड मीटर | |
|---|---|
| पहले | अब |
| 6016 | 2800 |
| थ्री फेज स्मार्ट प्रीपेड मीटर | |
| पहले | 11342 |
| अब | 4100 |

**जिन्होंने मीटर लगवा लिया, उनके लिए अलग से व्यवस्था**

आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन उपभोक्ताओं ने नौ सितंबर 2025 के बाद स्मार्ट प्रीपेड मीटर के लिए 6016 रुपये जमा किए हैं, उसकी वापसी के लिए भी विकल्प देने पर विचार किया जा रहा है।

**बीपीएल उपभोक्ताओं को विशेष राहत**

नई कॉस्ट डाटा बुक में गरीब और बीपीएल उपभोक्ताओं के लिए कई रियायतें दी गई हैं। इन उपभोक्ताओं के लिए प्रोसेसिंग शुल्क और सुरक्षा जमा राशि शून्य कर दी गई है। 100 मीटर तक दूरी के लिए केवल 500 रुपये अग्रिम राशि लेकर कनेक्शन दिया जाएगा।

शेष राशि 12 महीनों तक 45 रुपये की मासिक किस्त में बिजली बिल के साथ जमा की जा सकेगी। वहीं, सिंगल फेज कनेक्शन लेने वाले बीपीएल उपभोक्ताओं को मीटर की कीमत 2800 रुपये दो किस्तों में जमा करने की सुविधा मिलेगी। आवेदन के समय 1000 रुपये देने के बाद कनेक्शन जारी कर दिया जाएगा। शेष राशि 24 समान मासिक किस्तों में भी जमा करने की सुविधा रहेगी।

**नई कालोनियों में देना होगा सिर्फ मीटरिंग शुल्क**

विद्युत नियामक आयोग ने बुधवार को नई कास्ट डाटा बुक–2025 जारी कर दी है। इसके अनुसार, अविकसित गैर–विद्युतीकृत कॉलोनियों के निवासियों को केवल मीटरिंग शुल्क का भुगतान करना होगा। बुनियादी ढांचे के नाम पर लिए जाने वाला शुल्क खत्म कर दिया गया है। नियामक आयोग ने तर्क दिया है कि बुनियादी ढांचे की लागत को पहले से ही प्रति वर्ग फुट विकास शुल्क के माध्यम से वसूलने का प्रावधान किया गया है। इसी तरह बहुमंजिला भवनों में मल्टी–पॉइंट कनेक्शनों के लिए भी समान व्यवस्था प्रदान की गई है।

सप्लाई कोड 2005 के 13वें संशोधन के प्रावधान के अनुरूप 11 केवी वोल्टेज पर जारी किए जा सकने वाले लोड की सीमा को 3 एमवीए से बढ़ाकर 4 चार एमवीए कर दिया गया है।

नई कास्ट डाटा बुक में यह व्यवस्था दी गई है कि एडवांस्ड मीटरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर (एएमआई) के विकास एवं संचालन से संबंधित लागत नए उपभोक्ताओं से वसूल नहीं की जाएगी, क्योंकि इसका प्रावधान पहले से ही आरडीएसएस के तहत किया जाएगा। इसी तरह एक ही 25 केवीए ट्रांसफार्मर से कनेक्शन लेने के लिए पीटीडब्ल्यू उपभोक्ताओं से लिया जाने वाला देय रूपांतरण की साझा लागत को प्रस्तावित 50 फीसदी के बजाय 33.3 फीसदी रखा गया है। इसी तरह स्वतंत्र 3–फेज 16 केवीए ट्रांसफॉर्मर या सिंगल फेज 10 केवीए ट्रांसफॉर्मर के माध्यम से कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं के लिए लागत स्वीकृत की गई है। 20 लाख से अधिक की सुरक्षा राशि के भुगतान के लिए उपभोक्ताओं को बैंक गारंटी / ई–बैंक गारंटी के माध्यम से भी भुगतान का विकल्प दिया गया है।

**क्या होता है कास्ट डाटा बुक**

उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग की ओर से जारी की गई नई कॉस्ट डाटा बुक 2025 अगले दो वर्ष के लिए मान्य होगी। इसके जरिए उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति के लिए विभिन्न शुल्कों (प्रोसेसिंग फीस, सुरक्षा जमा, सप्लाई अफोर्डिंग चार्ज, सामग्री लागत, स्मार्ट मीटर लागत आदि) की दरें निर्धारित की गई हैं। इससे पहले 8 जुलाई 2019 को संशोधित कास्ट डाटा बुक जारी किया गया था।

## कहासुनी के बाद युवक ने प्रेमिका के घर के सामने खुद पर पेट्रोल डालकर लगाई आग

**संवाददाता, प्रतापगण।** प्रेम प्रसंग के चक्कर में खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने वाले युवक की इलाज के दौरान प्रयागराज में मौत हो गई। घटना से स्वजन गमगीन हैं। अवसानगंज संग्रामगढ़ बाजार निवासी 23 वर्षीय सूरज पटवा पुत्र शंकर लाल पटवा का क्षेत्र की एक युवती से प्रेम संबंध चल रहा था। रविवार देर शाम किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई थी। इससे नाराज होकर युवक युवती के घर के सामने पहुंचा और खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली थी। आग की लपटों में घिरते ही मौके पर अफरा–तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने किसी तरह आग बुझाई और झुलसे युवक को सीएचसी कुंडा पहुंचाया गया। यहां से गंभीर हालत में उसे एसआरएन प्रयागराज रेफर कर दिया गया था। यहां इलाज के दौरान बुधवार दोपहर उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

## आ गया नया आदेश

**सरकारी अस्पतालों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर रोक। प्रभारी चिकित्सक होंगे जिम्मेदार यदि कुत्ते परिसर में मिले। चारदीवारी और गेट ठीक कराने के निर्देश जारी।**

**संवाददाता, बुलंदशहर।** अब सरकारी अस्पतालों में कुत्ते प्रवेश नहीं कर सकेंगे। आवारा कुत्ते अस्पताल परिसर में घुसे तो प्रभारी चिकित्सक जिम्मेदार होंगे। इसके लिए महानिदेशक के निर्देश आने पर सीएमओ ने सभी सीएचसी, पीएचसी और एपीएचसी के प्रभारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। जहां अस्पतालों में चारदीवारी क्षतिग्रस्त है। वहां चारदीवारी कराई जाएगी और टूटे पड़े गेट भी सही कराए जाएंगे। जिलेभर में जिला अस्पताल, जिला महिला अस्पताल के अलावा खुर्जा, सिकंदराबाद और 100 बेड डिबाई बड़े अस्पताल हैं। इसके अलावा 13 सीएचसी, पांच ब्लॉक स्तरीय पीएचसी और 73 पीएचसी के अलावा 365 एपीएचसी हैं।

इसमें कुछ पीएचसी की चारदीवारी क्षतिग्रस्त है और अनेक जगहों पर पीएचसी व कई सीएचसी के गेट खराब पड़े हैं। इसलिए आवारा कुत्तों का प्रवेश हो जाता है। कई सरकारी अस्पतालों में तो कुत्ते वार्ड से लेकर इमरजेंसी तक में घूमते रहते हैं। जिला मुख्यालय पर ही देखें तो कल्याण सिंह राजकीय मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल में ओपीडी के अंदर, इमरजेंसी के अंदर से लेकर वार्ड के अंदर तक आवारा कुत्ते घूमते रहते हैं। कई बार तो आवारा कुत्ते मरीज के पास रखे खाने के सामान में मुंह दे जाते हैं।

एक दो बार तो मरीज के बेड पर बैठे कुत्ते की तस्वीरें और वीडियो भी सामने आती रही हैं, लेकिन अब इस पर रोक लगेगी। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पारित किया है। सुप्रीम कोर्ट के उसी आदेश के अनुपालन में महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं ने बुलंदशहर समेत सभी जिलों के सीएमओ को निर्देश जारी किए हैं। निदेशक ने निर्देश दिए हैं कि सरकारी अस्पताल में आने वाले कुत्ते काटे के मरीजों को अलग–अलग दर्ज किया जाए। इसमें पालतू और आवारा कुत्तों के काटे मरीजों का आंकड़ा अलग–अलग दर्ज होगा। सीएमओ ने बताया कि महानिदेशक ने जूम मीटिंग कर निर्देश दिए हैं।

# बैंक मैनेजर ने सरयू नदी में कूदकर दी जान

## परिजनों से बात कर लोकेशन भेजी... फिर लगा दी छलांग

**लखनऊ,संवाददाता।** अयोध्या में भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक ने सरयू नदी में कूदकर जान दे दी। प्रबंधक के अवसाद में होने की बात कही जा रही है। कूदने से पहले उन्होंने परिजनों से बात की और फिर छलांग लगा दी। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के गोरखपुर–अयोध्या हाईवे पर स्थित पुल से सरयू में कूदकर बैंक मैनेजर ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की है। घटना के पीछे युवक के अवसाद में होने का दावा किया जा रहा है। गोंडा जिले के मनकापुर के जवाहर नगर निवासी रामबाबू सोनी (39) बहराइच में भारतीय स्टेट बैंक में शाखा प्रबंधक हैं। वह संदिग्ध

परिस्थितियों में बुधवार की दोपहर लगभग 12 बजे गोरखपुर हाईवे पर पुल के पास आए और परिजनों से फोन पर बात की। वहीं से मोबाइल फोन पर अपनी लोकेशन भेज दी और मोबाइल फोन स्विच ऑफ करके नदी में कूद गए। लोकेशन के आधार पर परिजन पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। कोतवाल अयोध्या पंकज सिंह ने बताया कि देर शाम लगभग आठ बजे गोताखोरों की मदद से शव बरामद किया गया है। मृतक किन्हीं कारणों से अवसाद में बताया गया है। पीठ पर बैग लादे हुए वह नदी में कूद गए थे। उनके पास से मोबाइल फोन बरामद हुआ है। मामले की छानबीन की जा रही है।

# नव वर्ष का जश्न...उसके नसीब में रोटी भी न थी 55 वर्षीय व्यक्ति ने इसलिए दे दी जान

**एटा,संवाददाता।** गरीबी से जूझ रहे व्यक्ति ने फंदे पर लटक कर अपनी जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एटा की नगर पंचायत मिरहची के जिन्हैरा गांव में नववर्ष की रात आर्थिक तंगी से जूझ रहे व्यक्ति ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। नववर्ष की रात जहां एक ओर जश्न मनाया जा रहा था, ठीक इसके विपरीत

जिन्हैरा गांव में आर्थिक तंगी से जूझ रहे राधाचरन भुर्जी पुत्र लालाराम भुर्जी ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। बताया गया है कि 55 वर्षीय राधाचरन बीमारी से परेशान थे। इसके साथ ही आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे। बताया गया है कि कई दिनों से उन्हें भोजन भी नहीं मिला था। राधाचरन में बिजली के खंबे से लटक कर जान दे दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। थानाध्यक्ष नीतू वर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

## भारत समेत दुनियाभर में

# 'नए साल का' जश्न

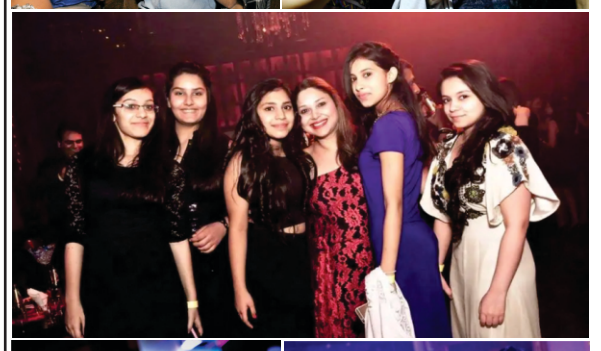

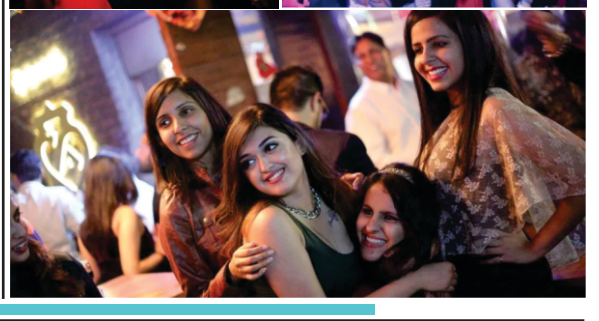

## मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु,पर्यटकों में भी जोश

**नई दिल्ली,एजेंसी।** भारत में नए साल 2026 का आगाज हो चुका है। दुनियाभर में भी नए साल का उत्सव जारी है। लोग अलग–अलग तरीकों से नए साल के जश्न का आनंद ले रहे हैं। शहरों में रंग–बिरंगी रोशनी, आतिशबाजी और संगीत के साथ लोग नए साल का जश्न माना रहे हैं। यहां पढ़ें नए साल से जुड़े देश–दुनिया के तमाम अपडेट...

कोलकाता में भक्तों ने किए मां काली के मंदिर में दर्शन

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में भक्तों ने नए साल के मौके पर दक्षिणेश्वर आद्यापीठ मंदिर में दर्शन किए।

कन्याकुमारी में नए साल का पहला सूर्योदय देखने को उमड़ी भारी भीड़

तमिलनाडु के सबसे लोकप्रिय पर्यटन और तीर्थ स्थलों में से एक कन्याकुमारी में 2026 के पहले सूर्योदय को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए।

बर्फ की चादर में ढंके नजर आए कश्मीर के पर्यटन स्थल

कश्मीर घाटी के ऊंचे इलाके, जिनमें लोकप्रिय पर्यटन स्थल सोनमर्ग भी शामिल है, बर्फ की मोटी चादर से ढके हुए नजर आए।

पुंछ के पीर पंजाल में गश्त करते नजर आए सेना के जवान

जम्मू–कश्मीर के पुंछ में भारी हिमपात और दुर्गम भूभाग के बावजूद भारतीय सेना की रोमियो फोर्स ने 13,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित पीर पंजाल पर्वतमाला में तलाशी अभियान तेज कर दिया।

नेपाल में दिखा सूर्योदय का अद्भुत नजारा

पड़ोसी देश नेपाल में भी नए साल की पहली सुबह सूर्योदय के नजारे को लोगों ने कैमरे में कैद किया।

माता वैष्णो देवी के दरबार में उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम

नए साल के पहले दिन जम्मू के कटरा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा।

मुंबई में बारिश की फुहारों से प्रदूषण के स्तर में आई कमी

महाराष्ट्र के मुंबई में नए साल की सुबह से पहले बारिश की फुहारों ने मौसम को खुशनुमा कर दिया। बारिश के चलते प्रदूषण के स्तर में कमी भी दर्ज की गई।

दिल्लीः गणतंत्र दिवस पर परेड की रिहर्सल जारी

नई दिल्ली में घने कोहरे के बीच इंडिया गेट पर गणतंत्र दिवस की रिहर्सल जारी है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी दी नए साल की शुभकामनाएं

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने देशवासियों को नए साल की शुभकामनाएं दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। नया साल आपके जीवन में ढेर सारी खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और सफलताएं लेकर आए।'

तमिलनाडु में सूर्योदय के नजारे ने बिखेरी सुंदर छटा

तमिलनाडु में सूर्योदय के नजारे ने सुंदर छटा बिखेरी।

# भीषण सर्दी में नया आदेश...8वीं तक के सभी स्कूल 14 जनवरी तक बंद

**लखनऊ,संवाददाता।** भीषण सर्दी में स्कूल के बच्चों को बड़ी राहत दी गई है। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक के साथ ही सीबीएसई, आईसीएसई एवं अन्य सभी बोर्डों के विद्यालय भी 14 जनवरी तक बंद रहेंगे। उत्तर प्रदेश में भीषण सर्दी का कहर जारी है। ऐसे में मथुरा जिले में आठवीं तक के स्कूलों में 14 जनवरी तक अवकाश घोषित किया गया है। ये आदेश सिक शिक्षा परिषदीय, राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, वित्तविहीन, सीबीएसई, आईसीएसई एवं अन्य सभी बोर्डों पर भी लागू रहेगा। बेसिक शिक्षा परिषद ने कक्षा आठ तक के विद्यालयों में शीतकालीन अवकाश जारी किया है। 14 जनवरी तक जनपद के सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक विद्यालय बंद रहेंगे। यह आदेश जनपद के समस्त बेसिक शिक्षा परिषदीय, राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, वित्तविहीन, सीबीएसई, आईसीएसई एवं अन्य सभी बोर्डों के नर्सरी से कक्षा 8 तक के विद्यालयों पर लागू होगा। अवकाश अवधि में परिषदीय और सहायता प्राप्त विद्यालयों के कार्मिक बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। विभागीय व्हाट्सएप ग्रुप पर समय–समय पर जारी निर्देशों का पालन करेंगे। साथ ही जिन शिक्षकों की ड्यूटी बीएलओ के रूप में लगी है, वे पूर्ववत अपने निर्धारित कार्यक्षेत्र में उपस्थित रहकर दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

# यूपी में फास्ट फूड से एक और मौत!

### बर्गर और नूडल्स का अधिक सेवन... छात्रा की दिमाग में गांठें बनने से हुई मौत

**मुरादाबाद,संवाददाता।** यूपी में फास्ट फूड से एक और मौत की खबर है। बर्गर और नूडल्स का अधिक सेवन करने से छात्रा की दिमाग में गांठें बन गई। छात्रा की इलाज के दौरान मौत हो गई। यूपी के अमरोहा में फास्ट फूड के सेवन की वजह से एक और मौत का मामला सामने आया है। नीट की तैयारी कर रही चुचैला कलां गांव की रहने वाली 19 वर्षीय छात्रा इलमा कुरैशी की दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज के दौरान सोमवार की दोपहर बाद मौत हो गई। उसके दिमाग में गांठे बन गई थीं। परिजनों के मुताबिक इलमा का इलाज करने वाले डॉक्टर ने बताया था कि फास्ट फूड में प्रयोग की जाने वाली पत्ता गोभी के जरिए के दिमाग में पहुंचे कीड़े ने गांठे बनाई थीं। छात्रा इलमा कुरैशी गांव चुचैला कलां गांव में रहने वाले नदीम कुरैशी की बेटी थी। नदीम कुरैशी नोएडा में कबाड़ का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी इलमा को करीब एक महीने पहले सिर दर्द की शिकायत हुई थी। इलाज कराने से उसको आराम मिल गया था।

# ठंड पर भारी जश्न

### नए साल के पहले दिन कड़ाके की सर्दी, बूंदाबांदी के भी आसार

**लखनऊ,संवाददाता।** नए साल के पहले दिन मेरठ और पश्चिमी यूपी में कड़ाके की ठंड और शीतलहर का प्रकोप जारी है। तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और आज बूंदाबांदी के भी आसार जताए गए हैं। बढ़ती ठंड और प्रदूषण से अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में शीतलहर का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। नए साल के पहले दिन यानी आज कड़ाके की सर्दी तो है ही साथी ही बूंदाबांदी के भी आसार हैं। बुधवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

दिन का अधिकतम तापमान दो डिग्री गिरकर 16 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान में 1. 6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अभी ठंड से राहत मिलने की संभावना नहीं है।

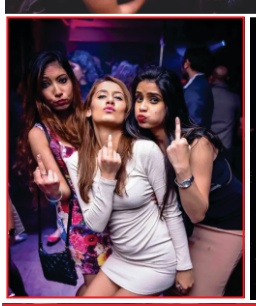

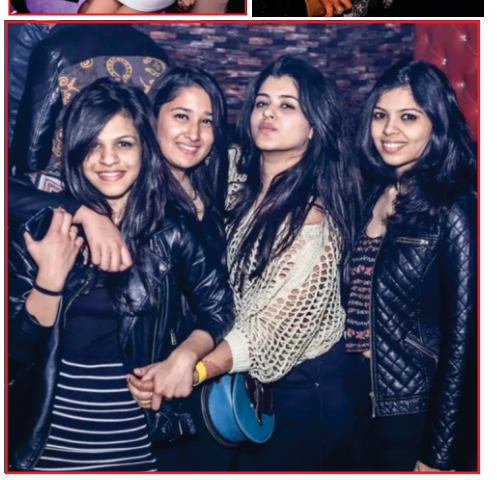

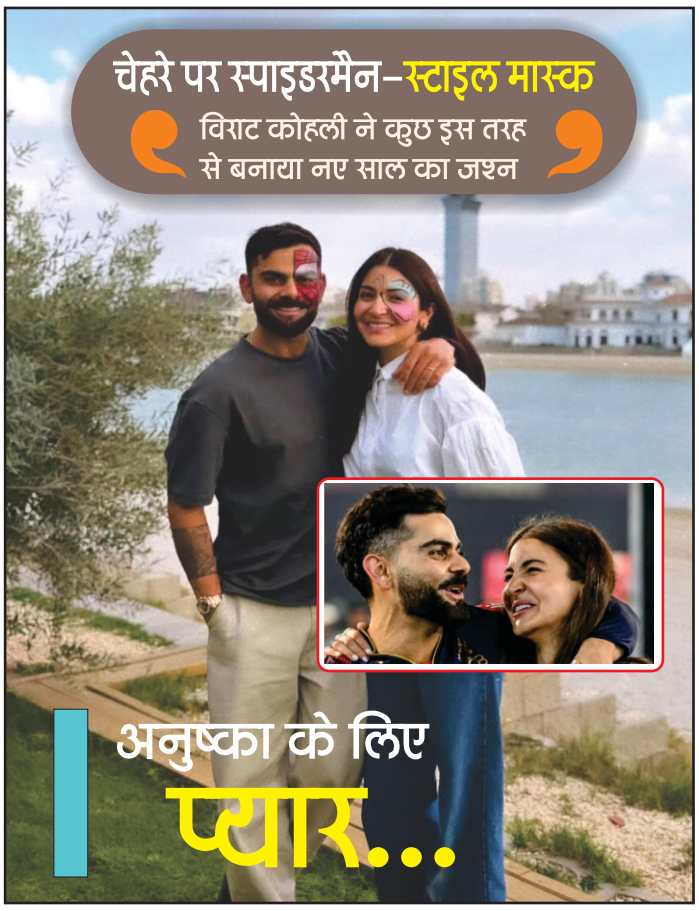

**मुम्बई,एजेंसी।** केबीसी 17 का मंच उस वक्त भावनाओं से भर गया, जब सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने दोस्त और लीजेंड धर्मेंद्र को याद किया। धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' के रिलीज़ होने के बाद पूरा फिल्म जगत उन्हें नम आंखों से याद कर रहा है और इसी कड़ी में बिग बी का यह पल हर किसी को छू गया। धर्मेंद्र का नाम लेते ही अमिताभ बच्चन की आवाज़ भर आई और आंखें नम हो गईं।

उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र सिर्फ एक इंसान या अभिनेता नहीं थे, बल्कि एक एहसास थेकृजो कभी खत्म नहीं होता। शोले की शूटिंग से जुड़ा किस्सा सुनाते हुए बिग बी ने बताया कि धर्मेंद्र की ताकत और सादगी दोनों ही असली थीं और उनके साथ काम करना हमेशा सीख देने वाला रहा।

इस खास एपिसोड में फिल्म 'इक्कीस' की टीमकृअगस्त्य नंदा, जयदीप अहलावत और निर्देशक श्रीराम राघवनकृने भी धर्मेंद्र को दिल से श्रद्धांजलि दी।



# विजय देवरकोंडा की नए साल की पोस्ट में दिखी रश्मिका मंदाना

**एंटरटेनमेंट डेस्क।** रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा नए साल के मौके पर रोम में छुट्टियां मनाने पहुंचे हैं। दोनों ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर की हैं। फैंस कयास लगा रहे हैं तथाकथित कपल एक साथ छुट्टियां मनाने निकला है। आइए जानते हैं पूरा मामला। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा नए साल के मौके पर रोम पहुंचे हैं। दोनों ने यहां से अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। उनकी तस्वीरों में रोम की पुरानी इमारतें और कई दूसरी जगहें नजर आ रही हैं। फैंस ने नोटिस किया है कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने एक ही जगह की तस्वीरें शेयर की हैं।

**विजय की पोस्ट में दिखीं रश्मिका**

वियय देवरकोंडा ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उनकी तथाकथित पार्टनर रश्मिका मंदाना पहले ही उन जगहों की तस्वीरें शेयर कर चुकी हैं। ऐसे में फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों एक-साथ छुट्टियों पर निकले हैं। विजय देवरकोंडा की तस्वीरों पर फैंस ने रश्मिका मंदाना को लेकर कमेंट किए हैं। एक यूजर ने दावा किया है कि उन्हें विजय की एक फोटो के रिफ्लेक्शन में रश्मिका दिखीं। अंदाजा लगाया जा रहा है कि एक दूसरे इमेज में रश्मिका ने एक्टर विजय को पीछे से पकड़ा है। फ्रेम में उनके दोस्तों का रिएक्शन भी दिख रहा है।










परिवार संग एम. एस. धोनी का न्यू ईयर सेलिब्रेशन!

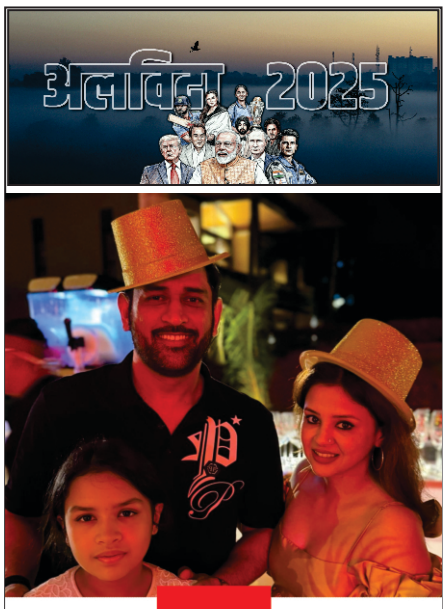



"2026 तुम्हारे साथ" कुलदीप यादव ने मंगेतर संग शेयर की तस्वीर

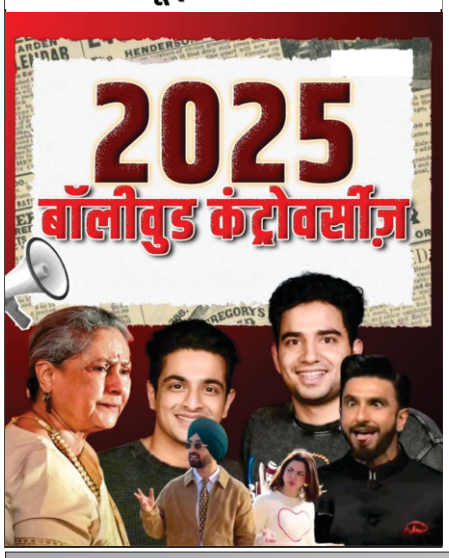

शाहीद कपूर की मां नीलिमा अजीम और पंकज कपूर हिंदी सिनेमा के वो एक्स कपल हैं, जिन्होंने बेहद सम्मानजनक तरीके से अलग होने का फैसला लिया था. नीलिमा और पंकज कपूर की शादी 1979 में हुई थी. शादी के बाद दोनों की ज्यादा नहीं जमी और 1984 में इन्होंने अलग होने का फैसला कर लिया. तलाक के सालों बाद नीलिमा ने इस पर खुलकर बात की है।

धर्मेंद्र स्टारर 'इक्कीस' बॉक्सऑफिस पर दस्तक दे चुकी है. फिल्म की कहानी सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की लाइफ पर बेस्ड है. मालूम हो 1971 में भारत और पाकिस्तान की लड़ाई के दौरान अरुण खेत्रपाल शहीद हो गए थे. फिल्म में अगस्त्य नंदा ने अरुण खेत्रपाल की भूमिका निभाई है. जयदीप अहलावत को फिल्म में पाक अफसर ब्रिगेडियर ख्वाजा मोहम्मद नसीर के रोल में नजर आ रहे हैं. लड़ाई में उन्होंने ने ही अरुण खेत्रपाल को शहीद किया था. श्रीराम राघवन ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है. ग पर भी दर्शकों ने अपना रिएक्शन देना शुरू कर दिया है.

**इमोशनल वॉर ड्रामा है फिल्म**

कुछ लोगों ने तो इस फिल्म को मास्टपीस करार दिया है. वहीं, कुछ लोगों ने कहा कि वो स्क्रीन पर धर्मेंद्र को देखकर इमोशनल हो गए. एक यूजर ने रिएक्शन देते हुए लिखा है कि ये एक इमोशनल वॉर ड्रामा फिल्म है. एक और यूजर ने लिखा है कि मुझे इक्कीस से प्यार हो गया है.

ये एक ऐसी फिल्म है जो दिल को छू लेने वाली है. एक और यूजर ने फिल्म को लेकर कहा है कि इक्कीस उम्मीद से बेहतर है.फिल्म अपने प्रॉमिस को पूरा करेगी. बॉलीवुड के लिए 2026 के पहले दिन ही सफल शुरुआत हो गई है. एक यूजर ने रिएक्शन देते हुए लिखा,'धुरंधर के बाद इस तरह की ही फिल्म रिलीज होनी चाहिए थी. ताकि सीना ठोकने वाले राष्ट्रवाद को खत्म किया जा सके।

फरवरी में खेला जाएगा टी20 विश्व कप
खिताब का बचाव करना चाहेगी भारतीय टीम
सबसे पहले न्यूजीलैंड से होगा भारत का सामना

7 फरवरी से 8 मार्च तक टी20 विश्व कप 2026 खेला जाएगा। इस दौरान 20 टीमों की बीच खिताब के लिए टक्कर होगी। भारतीय टीम की नजर खिताब का बचाव करने पर होगी। टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का एलान भी हो गया है। सूर्यकमार यादव की कप्तानी वाली टीम में शुभमन गिल को जगह नहीं दी गई है।

**वनडे सीरीज का शेड्यूल**

पहला वनडे: 11 जनवरी, वडोदरा
दूसरा वनडे: 14 जनवर, राजकोट
तीसरा वनडे: 18 जनवरी, इंदौर
टी20 सीरीज का शेड्यूल
पहला टी20: 21 जनवरी, नागपुर
दूसरा टी20: 23 जनवरी, रायपुर
तीसरा टी20: 25 जनवरी, गुवाहाटी
चौथा टी20: 28 जनवरी, विशाखापट्टनम
पांचवां टी20: 31 जनवरी, तिरुवनंतपुरम

**स्पोर्ट्स डेस्क।** साल 2025 में भारतीय क्रिकेट ने जिस मल्टीनेशनल इवेंट में हिस्सा लिया, उसे जीतकर ही दम लिया। भारतीय महिलाएं भी पुरुषों से पीछे नहीं रहीं। भारतीय मेंस टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप की ट्रॉफी उठाई। वहीं महिलाओं ने पहली बार वनडे विश्व कप पर कब्जा जमाया। अब नए साल में भी भारत की नजर टी20 विश्व कप पर टिकी है। इतना ही नहीं अगले साल भारतीय मेंस टीम अंडर–19 वर्ल्ड कप, एशियन गेम्स और विमेंस टी20 वर्ल्ड कप खेलेगी। इस बीच आइए 2026 में भारतीय मेंस और विमंस टीम के शेड्यूल पर एक नजर डालते हैं। इस साल की शुरुआत में ही भारतीय मेंस टीम का सामना न्यूजीलैंड से होगा। 3 वनडे और 5 टी20 मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम भारत का दौरा करेगी। वनडे सीरीज की शुरुआत 11 जनवरी से और टी20 सीरीज का आगाज 21 जनवरी से होगा। ऐसे में विराट कोहली और रोहित शर्मा साल की शुरुआत में ही एक्शन में नजर आ सकते हैं।

## 2026 में भारतीय मेंस टीम का शेड्यूल

जून ने भारत और अफगानिस्तान के बीच भारत में 1 टेस्ट और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी।
1 से 19 जुलाई के बीच भारत और इंग्लैंड के बीच इंग्लैंड में 5 टी20 और 3 वनडे मैच खेले जाएंगे।
अगस्त में भारत और श्रीलंका के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इसका आयोजन श्रीलंका में होगा।
सितंबर में भारत और अफगानिस्तान के बीच 3 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले होंगे।
सितंबर–अक्टूबर में इंडिया और वेस्टइंडीज के बीच भारतीय जमीं पर 3 वनडे और 5 टी20 होंगे।
19 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच जापान में एशियन गेम्स 2026 (टी20) का आयोजन होगा।
अक्टूबर–नवंबर में भारतीय टीम न्यूजीलैंड का दौरा करेगी।
इस दौरे पर 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले होंगे।
साल के अंत में 3 वनडे और इतने ही 3 टी20 मुकाबलों को लिए श्रीलंका टीम भारत आएगी।
2026 में भारतीय विमंस टीम का शेड्यूल
15 फरवरी से 9 मार्च तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1 टेस्ट, 3 टी20 और 3 वनडे मैच होंगे।
28 मई से 2 जून के बीच इंग्लैंड के खिलाफ 3 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे।
12 जून से 5 जुलाई तक विमंस टी20 विश्व कप 2026 का आयोजन होगा।
10 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ इकलौता वनडे मैच खेला जाएगा।
19 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच जापान में एशियन गेम्स 2026 खेला जाएगा।

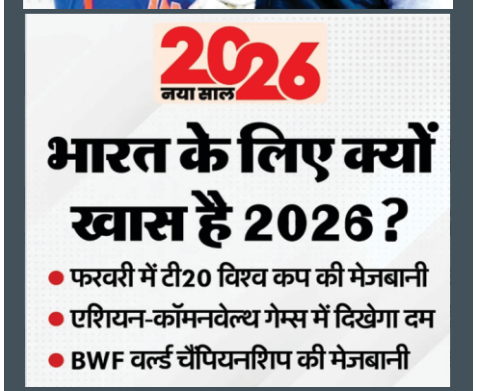

# सारा तेंदुलकर के गोवा से वायरल हुए इस वीडियो पर मचा हंगामा

**स्पोर्ट्स डेस्क।** गोवा में दोस्तों के साथ वीडियो वायरल होने के बाद सारा तेंदुलकर को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा, लेकिन बड़ी संख्या में यूजर्स उनके समर्थन में भी उतरे। वहीं, सारा अपने करियर में वेलनेस और फिटनेस के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रही हैं। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर इन दिनों सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना कर रही हैं। वजह बना गोवा की सड़कों पर दोस्तों के साथ टहलते हुए उनका एक वीडियो, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। यह साफ नहीं हो पाया है कि यह वीडियो कब का है, लेकिन कुछ यूजर्स ने दावा किया कि यह नए साल के आसपास रिकॉर्ड किया गया है।

**बोतल को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियां**

वीडियो में सारा अपने दोस्तों के साथ सड़क पर चलते हुए नजर आती हैं। इस दौरान उनके हाथ में एक बोतल दिखाई दे रही है, जिसे कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने बीयर की बोतल बताकर आपत्तिजनक टिप्पणियां शुरू कर दीं। कई यूजर्स ने इस मामले में सचिन तेंदुलकर का नाम घसीटते हुए सारा को निशाना बनाया, जिसे लेकर विवाद और गहरा गया।

**सोशल मीडिया पर मिला सारा को समर्थन**

हालांकि, ट्रोलिंग के बीच सारा तेंदुलकर के समर्थन में भी बड़ी संख्या में लोग सामने आए। एक यूजर ने लिखा, 'यह कैसी दकियानूसी सोच है? सारा के बीयर पीने और तेंदुलकर के शराब प्रमोशन में क्या संबंध है? क्या एक बेटी को अपनी जिंदगी जीने का हक नहीं है?' वहीं, एक अन्य यूजर ने साफ शब्दों में कहा, 'इस वीडियो में ट्रोल करने लायक कुछ भी नहीं है।' इन प्रतिक्रियाओं से साफ है कि सोशल मीडिया का एक बड़ा वर्ग इस ट्रोलिंग को गैर–जरूरी और अनुचित मान रहा है।

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिनः– 273003
UPHIN/2023/90814
बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com
नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।